

मानो या न मानो

■ औसत मानव हृदय 70 वर्षों में 2.5 अरब बार धड़कता है।

■ औसत वयस्क हृदय प्रतिदिन दो हजार गैलन रक्त परिष्कृत करता है।



मानो या न मानो



- लिवर पांच सौ से अधिक कार्य करता है।
- यदि शरीर का तापमान 107.6 डिग्री से ऊपर पहुंचता है तो दिमाग का क्षय होना शुरू हो जाता है।

मानो या न मानो



- मानव शरीर का सबसे बड़ा अंग छोटी आंत है।
- इनसानी शरीर के बाल की औसत आयु तीन से सात वर्ष की होती है।

मानो या न मानो



- प्रतिदिन मस्तिष्क की दस हजार से एक लाख कोशिकाएं मरती हैं।
- औसतन एक दिन में एक व्यक्ति 23,000 बार सांस लेता है।
- दाढ़ी एक वर्ष में औसतन 140 मिलिमीटर बढ़ती है।

मानो या न मानो

■ औसतन वयस्क व्यक्ति के दिल का वजन 10 औंस होता है।

■ मस्तिष्क दिन की बजाय रात को अधिक चौकन्ना होता है।



मानो या न मानो



मस्तिष्क औसतन एक दिन में चौबीस वाट ऊर्जा इस्तेमाल करता है, लेकिन विभिन्न परिस्थितियों में इसकी ऊर्जा खपत अलग-अलग होती है।

मानो या न मानो

■ इनसानी
लिवर
पांच सौ
से
अधिक
कार्य
करता
है।



■ प्राचीन चीन में मान्यता थी कि
दोनों बाजुओं को हिलाने से
सिरदर्द दूर हो जाता है।

मानो या न मानो

■ शरीर में दर्द 350 फीट प्रति सैकेंड की रफ्तार से दौड़ता है।

■ केवल एक प्रतिशत बैक्टीरिया ही हानिकारक होते हैं।



पुरखों के चिह्न अभी बाकी हैं हमारे शरीर में

स्टोन-एज से लेकर अब तक मानव देह में कई बॉयोलॉजिकल परिवर्तन आए हैं। लेकिन श्राद्ध पक्ष में ये जानना वाकई दिलचस्प है कि आज भी हमारे शरीर में पुरखों की निशानियाँ मौजूद हैं। भले ही आज इनका कोई इस्तेमाल न हो, ये अंग हमें अपने पूर्वजों से जुड़ाव का एहसास दिलाते हैं।

सायनस

सिवाय इसके कि हममें से बहुतों को यह होता है, इसके अलावा डॉक्टर भी इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं जानते हैं। इनके फंक्शन की घेव हमारी आंख को इंसुलेट करके हमारी आवाज की घेव बदल देने तक होती है।

एडनॉइड्स

सामान्यतः उम्र के साथ एडनॉइड्स कम होता जाता और कभी-कभी खलन भी हो जाता है। एडनॉइड्स बेवटीरिया को फकड़ते हैं, साथ ही ये सूजन और इंफेक्शन का भी कारण बनती है।

विज्डम टूथ

प्राचीन काल में जब हम बड़े मांस के टुकड़ों को हड्डी आने तक चबा जाते थे, तो हमारे दाँतों का घंस जाना लाजिमी था। रिल्लाजा कालांतर में जब वे दांत विज्डम टूथ (अवलदाह) के तौर पर फिर से नमूदर हुए, तो उनका सभी ने स्वागत किया।

टॉसिल

टॉसिल्स सूजन और इंफेक्शन के प्रति संवेदनशील होते हैं। अगर तीस के बाद भी आपके टॉसिल्स बचे रह जाते हैं, तो यह आपके लिए बड़ी उपलब्धि की बात है।

प्लाइका सेमीलूनरिस

आपके तीसरी पलक भी होती है। दोनों दिखने वाली पलकों को घ्यान से देखें। तीसरी पलक आपको आंसू की घमनी के ठीक दाईं तरफ कोने में स्थित होती है। यह पलक निवटीटेटिंग मेबरन के पास में होती है, जो कि मुग्गे, छिपकली और शार्क में पाई जाती है।

अपेंडिक्स

जब हम कंद मूल, फल खाया करते थे, तो अपेंडिक्स पाचन में मदद करता था। इसके बाद जब हम सुपाच्य खाना खाने लगे, तो अपेंडिक्स अनुपयोगी होकर शरीर में पड़ा रहा।

कोकेक्स

यह हड्डी उस जमाने का अवशेष है जब हमारे पूछ हुआ करती थी। जो कि कथेशकाओं से मिलकर बनी होती है।

अरेक्टर पिती

जब हमारे काफ़ी घने बाल हुआ करते थे, तो अरेक्टर पिती उन्हें काटो की तरह खड़ा रखता था, इससे हम बड़े नजर आते थे।

शरीर के बाल

तकरीबन 30 लाख वर्ष पहले जब हमारा पूरा शरीर बालों से ढका हुआ था। लेकिन हमो इरक्टस के आने के बाद से, हममें परीने की क्षमता आने पर बालों की उपयोगिता खलन हो गई।



'माइग्रेन' कम करता है उच्च रक्तचाप



संदन (आईएनएस)। उच्च रक्तचाप शरीर के दूसरे भाग में होने वाले दर्द की तुलना में 'माइग्रेन' (सिरदर्द) के दर्द को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। एक लंबे शोध में शोधकर्ताओं ने नार्वे के 20 वर्ष से अधिक उम्र के 51,353 पुरुषों और महिलाओं के रक्तचाप पर किए गए अध्ययन में पाया कि जिन लोगों को उच्च रक्तचाप था उनमें माइग्रेन होने की संभावना 40 फीसदी तक कम पाई गई। नार्वे नेशनल हेल्थेक सेंटर में इस अध्ययन के लेखक इल्लिंग ट्राविक ने बताया कि उच्च रक्तचाप पुरुषों और महिलाओं के माइग्रेन की बीमारी को दूर करने में 50 फीसदी तक सहायक हो सकता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस क्षेत्र में और अध्ययन की गुंजाइश है।



सासों में रहे ताजगी हमेशा

सासों में ताजगी चाहते हैं तो सही भोजन का चुनाव करें, क्योंकि सही भोजन आपके दांतों को मजबूती और मसूड़ों को स्वस्थ बनाता है। 'चीज' खाने से मसूड़ों में कैल्शियम बनने के चांस काफी कम हैं, क्योंकि इसके टेन्जर से शुक ज्यादा बनता है और 'चीज' में मौजूद प्रोटीन, कैल्शियम और फास्फोरस जैसे पोषिक तत्व 'प्लैक' बनने से बचाते हैं। मैग्नीशियम, विटामिन-सी युक्त फल व सब्जियां दांतों को स्वस्थ रखते हैं। सेलेरी,

गाजर, सेब खाने से शुक ज्यादा बनता है। शुक एक प्रकार से क्लीनिंग एजेंट का काम करता है। सिट्रस एसिड युक्त फल का भी कुछ यही कार्य है।

मानो या न मानो



■ इनसान के शरीर के तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) में पाँचों इंद्रियां, रीढ़ की हड्डी और मस्तिष्क शामिल होते हैं।

■ श्वास लेने की प्रक्रिया में सांस लेना और छोड़ना शामिल होता है। सांस लेने की समूची औसत क्रिया प्रति मिनट 15 से 18 बार सांस लेने और छोड़ने की होती है।

■ हाथ की उंगलियों के नाखून पैर के नाखूनों से चार गुना तेजी से बढ़ते हैं।

मानो या न मानो



■ अकेला मानव मस्तिष्क ही रक्त में प्रवाहित होने वाली ऑक्सीजन का बीस प्रतिशत इस्तेमाल कर लेता है।

शरीर की कुछ रोचक बातें

■ क्या आपको पता है कि मानव शरीर में लगभग 20 लाख लाल रक्त कोशिकाएं हर सेकेंड मर जाती हैं।

■ जानते हैं कि हमारे शरीर की सबसे छोटी हड्डी हमारे कान में होती है, जिसका नाम स्टीपीज होता है।

■ क्या आपको पता है कि आपका प्यारा सा चेहरा 14 हड्डियों से मिलकर बना है।

■ हमारे दांतों की सुरक्षा कर रहा इनेमल हमारे शरीर का सबसे मजबूत पदार्थ होता है।

■ 1967 में दक्षिण अफ्रीका में पहली बार सफल हार्ट ट्रांसप्लांट किया जा सका।

■ दिल खून को शरीर के अंगों तक पहुंचाने के लिए इतना प्रेशर बनाता है कि उतने प्रेशर से खून बाहर निकाला जाए तो वो 30 फीट दूर पहुंचेगा।

■ क्या आप जानते हैं कि हम आंखें खोल कर कभी झींक नहीं सकते।

■ आपको पता है कि आप एक दिन में लगभग 24 हजार बार सांस लेते हैं।



मानो या न मानो

■ प्रतिवर्ष
इन्सानी शरीर
के 98
प्रतिशत अणु
बदल जाते
हैं।

■ पैक्रियाज
इंसुलिन
बनाते हैं।



मानो या न मानो

- नाक में पचास हजार से अधिक तरह की गंध पहचानने की क्षमता होती है।
- पेट के अंदर मौजूद रसायन ब्लेड को भी गला सकते हैं।



मानो या न मानो



- दुनिया भर में दर्ज पौधों की दो लाख से ज्यादा प्रजातियां हैं।
- आमतौर पर आकार में वायरस बैक्टीरिया से सौ गुना छोटा होता है।
- एक वयस्क व्यक्ति के फेफड़ों की लंबाई सत्तर मीटर तक होती है।

मानो या न मानो

- अमेरिका में प्रति व्यक्ति दो क्रेडिट कार्ड हैं।
- फिनलैंड में स्थित केरिमेस्की चर्च लकड़ी से बना दुनिया का सबसे बड़ा चर्च है।
- किसी भी फल के छिलके में सबसे अधिक विटामिन-सी पाया जाता है।



QUESTION

- with 1000 new dollars in the year
there were only 1 dollar in
- up to 1000 dollars in the year in the
year 1000 dollars in the year
- was about "halfway" in the year 1000
in the year 1000
- there is a lot of money in the year
in the year 1000

1000 new dollars in the year 1000
in the year 1000, there is a lot of money in
the year 1000

- सौचालय में कीटाणुओं की 189 किस्में रहती हैं।
- बाथरूम के एक वर्ग सेंटीमीटर क्षेत्र में लाखों की संख्या में कीटाणु अपना घर बना सकते हैं।
- डिप्थीरिया जैसे खतरनाक कीटाणु सौचालय की सतह पर 180 दिन तक जीवित रह सकते हैं।
- कीटाणुओं के प्रजनन की सबसे बेहतर जगह टॉयलेट सीट, तौलिया, दरवाजे, नाँव व फलस के हैंडल आदि होते हैं।

यदि आप स्वजाना डॉलम में योगदान देना चाहते हैं तो लिखें KIN स्पेस के वाद अपना बैलेंस हमें 54242 पर एसएमएस करें

मानो या न मानो



■ इनसान के पेट में पाया जाने वाला हाइड्रोक्लोरिक एसिड कई धातुओं को गला सकता है।

मानो या न मानो

- एक घंटा जॉगिंग करने से पांच सौ कैलोरी खर्च होती हैं।
- खून देने से शरीर की शक्ति कम नहीं होती।



मानो या न मानो



■ करीब नब्बे प्रतिशत बीमारियां तनाव के कारण उपजती हैं।

पेट की गुड़गुड़ाहट बढ़ा सकती है याददाश्त

एजेसियां

लंदन

अगली बार आपके पेट में गुड़गुड़ की आवाज आए तो उसे नजरअंदाज मत कीजिए। हो सकता है कि वह आपके व्यक्तित्व के बारे में कुछ कहना चाहती है। जी हां, कनाडा के ओंटारियो स्थित

मैक्मास्टर यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अध्ययन की मानें तो यह आवाज सीधे आपके व्यक्तित्व को प्रभावित करती है। पेट में यह आवाज आंतों में मौजूद बैक्टीरिया की वजह से होती है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि यह आवाज वास्तव में पेट और दिमाग के बीच की बातचीत होती है, जिससे

शारीरिक विकास प्रभावित होता है। शोधकर्ताओं का दावा है कि आंत में होने वाली यह गणशप व्यक्ति के व्यक्तित्व, पढ़ने की क्षमता और याददाश्त की क्षमता को प्रभावित करता है। उन्होंने दावा किया कि इससे मानसिक बीमारी और मोटापे की बीमारी भी जुड़ी हुई है।

वैज्ञानिकों का यह निष्कर्ष चूहों पर

किए गए परीक्षण पर आधारित है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने ऐसे चूहे को लिया जिसकी आंत में कोई जीवाणु नहीं था। इस शोध का मुख्य उद्देश्य पेट में रहे जीवाणुओं का दिमाग के विकास पर पड़ने वाले प्रभाव को जानना था। वैज्ञानिकों को जो नतीजे मिले वह चौंकाने वाले थे।

मानो या न मानो



■ इनसान ही ऐसा प्राणी है जिसकी आंखों में संवेदना भरे आंसू आते हैं।

मस्तिष्क में छुपा खामोशी का राज

- ध्वनि तरंगों को आपस में जोड़ता है हमारा दिमाग
- नीदरलैंड की यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने किया शोध



लंदन। खामोशी का गुनगुनाना सिर्फ शायर की कल्पना मात्र नहीं है बल्कि इसे दिमाग की चालबाजी कहिए कि गहरी खामोशी में भी हमें कुछ ध्वनियां सुनायी देती हैं जबकि वे वास्तव में होती नहीं हैं।

होने और ना होने के बीच की इस उलझन में दिमाग गहरे शोरशरबे में भी टूट टूट कर आती ध्वनि तरंगों को

आपस में जोड़ता है। इसी की बदौलत हम अधिक शोर वाले कक्ष में भी एक दूसरे की बात को सुन पाते हैं। दिमाग में ऐसा क्या चलता रहता है जो हमें बाधित ध्वनि तरंगों को भी लगातार सुनने में मदद करता है। नीदरलैंड की मासत्रिच यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक और शोध रिपोर्ट के प्रमुख लेखक लार्स रिक्स ने बताया, 'हमारी रोजमर्रा की

जिंदगी में अक्सर ऐसा होता है कि जिन आवाजों को हम ध्यान लगाकर सुनना चाहते हैं वे शोरशरबे में लिपटी रहती हैं। मतलब यह है कि जो सूचना हमें चाहिए, उसका कुछ हिस्सा खो जाता है। शोर के बावजूद हमारा मस्तिष्क सूचना के बीच के इस अंतराल को भर लेता है और ध्वनि की पूर्ण तस्वीर पेश करता है।' (एजेसी)

पेट में पेड़

शायद आपको सुनने में अजीब सा लगे, लेकिन हाल ही में रूस के वैज्ञानिकों ने 28 वर्षीय व्यक्ति के फेफड़े में दो इंच का देवदार का पेड़ उगले देखा। रूस के उरल प्रजाति वाले क्षेत्र के अस्पताल के डॉक्टरों ने यह दावा किया। डॉक्टर सोच रहे थे कि उस व्यक्ति को कैंसर है। ऑपरेशन करने के लिए उन्होंने ऑर्टम सिटोरिकन नामक व्यक्ति के फेफड़े को खोला था। सिटोरिकन को छाती में तेज दर्द की शिकायत थी। सर्जन व्लादिमीर

कामरोव ने कहा, 'हमें इस बात के प्रति सी फीसदी निश्चिंत थे। इसके लिए हमने जब उसका एक्सरे किया, तो ट्यूमर के जैसी चीज हमें दिखी। जब हमने फेफड़े को खोला, तो हम चौंककर रह गए।' डॉक्टरों का कहना था कि सिटोरिकन ने संभवतः एक बीज निगल लिया था, जो बाद में उसके फेफड़ों में बड़ा होने लगा। यह सिटोरिकन की कैपिलरी को छू रहा था, जिसकी वजह से उसे तीव्र दर्द महसूस हो रहा था। सिटोरिकन का कहना था, 'मुझे यह सुनकर आश्चर्य हुआ कि मेरे शरीर में पेड़ है, लेकिन मैं इस बात के प्रति पूरी तरह आरामस्त था, कि मुझे कैंसर नहीं है।'